हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, सोमवार, 24 फरवरी 2025

11 एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में ...

12 समायोजित अध्यापक सभा ने शिक्षामंत्री को सौंपा ज्ञापन

खबर संक्षेप

बाली शर्मा व अनुज शर्मा ने सूरजकुंड मेले में दी प्रस्तुति

भिवानी। फरीदाबाद सूरजकुंड में 7 से 23 फरवरी तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला में पर्यटन एवं कला सांस्कृतिक कार्य विभाग के निर्देशन में हरियाणवी लोकगायक हिंद केसरी बाली शर्मा धारेडू व उनके पुत्र अनुज बाली शर्मा ने सूर्यकवि दादा लख्मीचंद की कविताई किस्सा चापसिंह की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके साथ-साथ उन्होंने देशभक्ति व हरियाणवी किस्सों की रागनियां से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और हरियाणवी संस्कृति का संदेश दिया। बाली शर्मा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति से अवगत करवाने को ऐसे आयोजनों का होना बहुत जरूरी है, इसके लिए उन्होंने प्रदेश सरकार का भी आभार जताया।

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर कल

भिवानी। प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा में हरसंभव सहयोग देना चाहिए तथा समाजसेवा की दिशा में रक्तदान सबसे बड़ी सेवा है, क्योंकि दान के रूप में दी गई रक्त की चंद बूंदें किसी जरूरतमंद मरीज को नया जीवन प्रदान करती हैं, ऐसे में रक्तदान के माध्यम से किसी का जीवन बचाने के उद्देश्य से 25 फरवरी को भिवानी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में सुबह नौ बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के आयोजक रक्तवीर मनीष वर्मा व आरती सोनी ने बताया कि नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में वंशिका फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान महादान होता है, क्योंकि रक्त की महत्ता वहीं व्यक्ति समझ सकता है, जिसका कोई अपना रक्त की कमी से तड़फा हो। रक्तदान शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली है और रक्तदाताओं को किसी तरह की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने कमजोरी नहीं आती।

पोषण ट्रैकर ऐप को लेकर बहुत सारी समस्याएं, कई बार होते हैं झगड़े

मांगों को लेकर आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर ने तोशाम में की नारेबाजी

वर्कर्स को राशन देने के लिए लाभार्थी का फेस कैप्चर करना पड़ता है और उनसे ओटीपी लेना पड़ता है। लाभार्थी ओटीपी देने से मना करते हैं, जिससे वर्कर्स और लाभार्थियों में तकरार होती रहती हैं

तोशाम। मांगों को लेकर नारेबाजी करती आंगनबाड़ी महिला वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

हरियाणा जिले की सीटू एवं सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित यूनियन (रजि.1442)की सभी वर्कर्स और हेल्पर जिला कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय पर 25 फरवरी को प्रदर्शन करेंगे। वर्कर्स की पोषण ट्रैकर ऐप को लेकर बहुत सारी समस्याएं हैं। वर्कर को राशन देने के लिए लाभार्थी का फेस कैप्चर करना पड़ता है और उनसे ओटीपी लेना पड़ता है। लाभार्थी ओटीपी देने से मना करते हैं, जिससे वर्कर और लाभार्थियों का आए दिन झगड़ा होता है।

पोषण ट्रैकर एप भी अच्छे से काम नहीं करती कभी फेस कैप्चर नहीं होता, कभी ओटीपी इनवेलिड बताता है। लाभार्थी दो-दो घंटे आंगनवाड़ी में बैठकर चला जाता है लेकिन उसका फेस कैप्चर नहीं हो पाता जिसके कारण अधिकारियों ने वर्कर्स के लेटर भी निकाल दिए गए हैं। राशन की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है । तीन तरह की पंजीरी आती है जिसको लाभार्थी पसंद भी नहीं करते और । लाभार्थी ऐसी पंजीरी लेने से मना करते हैं यह जानकारी देते हुए राजबाला शर्मा और राजबाला निनान ने कहा कि हम वर्करो की आए दिन कभी लाभार्थियों से, कभी अधिकारियों से कहा सुनी होती है। जिससे वर्कर पे मानसिक दबाव बना हुआ है इसलिए हम सब वर्कर 25 को मिलकर जिले पर प्रदर्शन करेगी।

ये रहे मौजूद

तोशाम ब्लॉक में इससे प्रदर्शन से संबंधित वर्करों की मीटिंग ली गई ,जिसमें निर्मला सरल, सुनीता,प्रधान राजबाला निनान, सचिव राजबाला शर्मा, राजबाला खानक सर्व कर्मचारी से महावीर शर्मा ,रतन कुमार जिंदल शामिल हुए।

भिवानी। मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसान |फोटो : हरिभूमि

रूपगढ़ धरना स्थल पर किसान पंचायत आज

भिवानी। गुजरात मुद्रा से पानीपत रिफाईनरी तक आ रही तेल पाइप लाइन के विरोध में बीते 28 अक्तूबर से गांव रूपगढ़ में जारी किसानों का धरना रविवार को भी जारी रहा। इस दौरान धरनारत्त किसानों ने तेल पाइप लाइन कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने पर किसानों ने फैसला लिया कि 24 फरवरी को धरना स्थल पर गांव निमड़ीवाली व रूपगढ़ के किसानों की महापंचायत आयोजित की जाएगी। इस महापंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा सहित विभिन्न किसान संगठनों से जुड़े किसान नेता हिस्सा लेंगे। यह जानकारी देते हुए भारतीय किसान यूनियन चंढूनी के जिला प्रधान राकेश आर्य ने कहा कि किसानों ने मांग की कि या तो किसानों के खेतों से निकाली जा रही तेल पाइप लाइन के कार्य पर रोक लगाए या फिर किसान को उचित मुआवजा दे, ताकि किसान अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। आर्य ने कहा कि सरकार निजी कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए किसानों के खेतों में बिना मुआवजा दिए तेल पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इससे खेतों की उपजाऊ शक्ति कमजोर होगी तथा किसानों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। ऐसे में किसान अपने भविष्य की लड़ाई के लिए संघर्ष करने पर मजबूर है।उन्होंने कहा कि 24 फरवरी को होने वाली महापंचायत में ठोस फैसला लिया जाएगा। इस अवसर पर सतीश यादव, नीरज यदुवंशी, कैप्टन राजबीर सिंह यादव, हवलदार शेर सिंह यादव, जयपाल कोट, दिनेश शर्मा, संदीप यादव, ईश्वर यादव, कमलजीत प्रधान, बिजंद्र यादव, महेश तिवारी, दीपक बोहरा, राकेश गहलोत, सोनू सिंहमार, करतार गिल, चिंटू ताखर, जयभगवान निमड़ीवाली, सतबीर जांगड़ा, सीटू बोहरा पूर्व बीडीसी सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

ई-रिक्शा की बैटरी चोरी के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, पुलिस ने बैटरी की बरामद

भिवानी। पुलिस के डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू ने बालाजी कॉलोनी भिवानी से ई रिक्शा की बैटरी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को जुई कला से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। हरीश निवासी बालाजी कॉलोनी भिवानी में थाना शहर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 28 जनवरी को उन्होंने अपनी ई रिक्शा को घर के बाहर खड़ा किया हुआ था जहां से चोर उनकी ई रिक्शा से बैटरी चोरी करके ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना शहर भिवानी में दर्ज किया था। डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के सहायक उप निरीक्षक विनोद कुमार ने ई रिक्शा से बैटरी चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को जूई कला से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नरेंद्र पुत्र सूरजभान निवासी बास व साहिल पुत्र करण निवासी बास के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियों से चोरी की गई बैटरी व वारदात वाले दिन प्रयोग की गई एक मारुति वेगनार गाड़ी को बरामद किया गया है।

■ वारदात वाले दिन प्रयोग की गई एक मारुति वैगनार गाड़ी को किया बरामद

शादी में फायरिंग करने के पांच आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जुई था मामला दर्ज

भिवानी। शादी व अन्य समारोह में हर्ष फायरिंग के नाम पर हवाई फायर करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। थाना जूई कला पुलिस ने गांव लहलाना में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना जूई कला पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई थी कि 16 फरवरी को गांव लहलाना में एक शादी समारोह में शादी में आए रिश्तेदारों के द्वारा हर्ष फायरिंग के नाम पर गाना व डीजे के ऊपर हवाई फायर की गई थी। जो इस मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना जूई कला में दर्ज किया था। थाना जूई कला के उप निरीक्षक गंगाराम ने शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान अंकित पुत्र वेद प्रकाश निवासी शेरला, वीरेंद्र पुत्र मानसिंह निवासी शेरला, उदयदीप पुत्र राजपाल निवासी जूई खुर्द, पंकज पुत्र रामबीर निवासी चुरु राजस्थान व अनिल पुत्र सज्जन सिंह निवासी साहलेवाला, तोशाम जिला भिवानी के रूप में हुई है।

■ 16 फरवरी को गांव लहलाना में शादी समारोह में की गई थी हर्ष फायरिंग

रूपगढ़ में बिजली लाइन की तार चोरी करने के मामले में छठे आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। जिला पुलिस भिवानी के द्वारा जिले में चोरी की वारदात करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है जो इसी क्रम में डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू ने गांव रुपगढ में बिजली लाइन से बिजली की तार चोरी करने के मामले में छठे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कंपनी के सुपरवाइजर में थाना सदर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि निर्माणाधीन पॉवर हाऊस से ईशरवाल लाइन के कंडक्टर व बिजली की तार चोर चोरी करके ले गए हैं। जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में दर्ज किया था। डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के सहायक उप निरीक्षक कश्मीर सिंह ने बिजली लाइन से तार व कंडक्टर चोरी करने के मामले में छठे आरोपी को जुई कला से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मनदीप पुत्र बलवान निवासी आजाद नगर थाना जूई कला, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

■ सुपरवाइजर ने थाना सदर पुलिस भिवानी को दर्ज करवाई थी शिकायत

स्कूटी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, भिवानी था मामला दर्ज

भिवानी। डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू ने औद्योगिक क्षेत्र भिवानी में प्लांट के बाहर खड़ी एक्टिवा स्कूटी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को हालुवास रोड भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। हितेश निवासी पुराना हाउसिंग बोर्ड भिवानी में थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि उनका औद्योगिक क्षेत्र भिवानी में एक प्लांट है 17 फरवरी को उन्होंने अपनी होंडा एक्टिवा स्कूटी को प्लांट के गेट के बाहर खड़ा किया हुआ था जहां से चोर उनकी स्कूटी को चोरी करके ले गए थे। औद्योगिक क्षेत्र भिवानी में दर्ज किया था। डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार ने एक्टिवा स्कूटी चोरी करने के मामले में 03 आरोपियों को हालुवास रोड भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नवीन पुत्र जगदीश, सुरेंद्र पुत्र राज सिंह व कृष्ण पुत्र रामकुमार निवासी बामला -2 जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियों से चोरी की गई एक होंडा एक्टिवा स्कूटी व चोरी के लिए वारदात में प्रयोग की गई एक मोटरसाइकिल को भी बरामद किया।

■ वारदात में प्रयोग की गई मोटरसाइकिल पुलिस ने कर ली है बरामद

सांसद ने मंत्री से मांगा मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर, लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राज्य सभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर भिवानी में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है। किरण चौधरी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इसकी एक प्रति प्रेषित कर मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है।

इस पत्र पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जाँच करने का आश्वासन दिया है। किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि भिवानी में जिला मुख्यालय पर एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है, जो वर्ष 2025-26 के सत्र से आरंभ होने का प्रस्तावित है।

यह कॉलेज न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगा, बल्कि इस क्षेत्र और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा। भिवानी को मिनी क्यूबा के नाम से भी जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी समय-समय पर खिलाड़ियों और युवाओं को प्रोत्साहित करते रहे हैं। इसीलिए भिवानी के नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। यह केंद्र न केवल खिलाड़ियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि जिले के आम नागरिकों के लिए भी एक महत्त्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा।

यह पहल खिलाड़ियों और युवाओं के लिए एक बड़ी सहूलियत होगी और भिवानी जिले की जनता आपकी सदैव आभारी रहेगी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को इसकी एक प्रति प्रेषित कर मेडिकल कॉलेज में स्पोर्ट्स ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के लिए मांग की है।

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी इसकी एक प्रति प्रेषित कर

आपात स्थिति में रक्तदान करना समाज में मानवीय मूल्यों को देता बढ़ावा : संभ्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आपातकालीन स्थिति में रक्तदान करना न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने में सहायक होता है, बल्कि ये समाज में एकजुटता एवं मानवीय मूल्यों को भी बढ़ावा देता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्तियों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि संकट की घड़ी में किसी जरूरतमंद मरीज की जान बचाई जा सके, ये बात पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने रविवार को आपातकाल स्थिति में रक्तदान करने वाले तीन रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कही। संभ्रवाल ने बताया कि उन्हें फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि भिवानी में दो मरीजों को रक्त की आवश्यकता है और समय पर मरीजों को रक्त नहीं मिला तो उनका जीवन संकट में पड़ सकता है। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत प्रभाव से अपने साथियों को सूचना दी, जिसके बाद पुराना बस स्टैंड स्थित फ्रीडम ब्लड बैंक में पहुंचकर युवती कोमल ने 8वीं बार, सुनील कुमार ने तीसरी बार

तथा सुनील ने पहली बार रक्तदान किया। तीनों रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए संभ्रवाल ने कहा कि नियमित तौर पर रक्तदान करने से समाज एवं जरूरतमंद लोगों के प्रति अपनी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेवारी का निर्वहन करने का मौका मिलता है। रक्तदान मानवता की सेवा करने का महत्वपूर्ण तरीका है। संभ्रवाल ने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में नई रक्त कोशिकाएं बनने की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे हृदय रोग व आयरन ओवरलोड जैसी समस्याओं का जोखिम कम होता है। इस मौके पर विरेंद्र मिंटू, श्रीनिवास, नरेंद्र, राहुल, योगी, अमन कुहाड़, साहिल व रविंद्र रंगा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। शहर के जर्जर नाले का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

नालों का निकला दम, शिल्ट से अटे पानी की निकासी नहीं हो पा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ कचरा व शिल्ट की वजह से नालों का पानी आगे बहने की बजाए गली व सड़कों पर फैल रहा

शायद शहर में ऐसा कोई नाली या नाला नहीं होगा। जिसमें शिल्ट या कचरा जमा न हो। कचरा व शिल्ट की वजह से नालों का पानी आगे बहने की बजाए गली व सड़कों पर फैल रहा है। हालात ये बने है कि आधे से ज्यादा शहर के नालों का दम निकला हुआ है। जिस वजह से पानी की निकासी ही नहीं हो पा रही है। यह स्थिति सबसे ज्यादा शहर के बाहरी इलाकों में बनी है। हालांकि पानी की निकासी को लेकर कई बार लोग सड़कों पर आ चुके,लेकिन हर बार उनको आश्वासन देकर टाला जा रहा है।

सबसे बुरी स्थिति अंदरूनी शहर की बनी है। अंदर के शहर में बने नालों पर अतिक्रमण हो चुका है। जिस वजह से उनकी सफाई नहीं हो पा रही है। घरों से निकलने वाला पानी उनमें आता है तो वह थोड़ा बहुत ही सीवर के मेनहोल तक पहुंच पाता है। ऐसे में उस पानी के साथ पॉलीथिन व अन्य कचरा बह कर आगे तक पहुंच रहा है। पहले शिल्ट जमा है और उसके बाद पॉलीथिन आने से नाले पूरी तरह से अटे हुए है। हालात ये बने है कि घरों से निकलने वाला पानी ही आगे नहीं बह पा रहा है। अगर जरा सी बारिश हो गई तो पानी आगे बहने की बजाए सड़को व गलियों में ही फैलेगा। शहर की बाहरी कॉलोनी हनुमान ढाणी इलाके में स्थिति सबसे बुरी बनी है। यहां पर सुबह व शाम के वक्त गली व सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। उसी पानी से होकर लोगों को गंत्तव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। शहर के अन्य नालों की भी इसी तरह की स्थिति बनी हुई है।

कार्य पड़ा था रोकना

नालों की सफाई न होने से विगत में एक सड़क के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा था। नगरपरिषद बावड़ी गेट इलाके में सड़क के निर्माण के लिए पहुंची और उस दिन निर्माण कार्य का शुभारंभ करवाया जाना था,लेकिन जहां से निर्माण कार्य शुरू करवाया जाना था।

वहां पर आधा फुट तक पानी जमा मिला। जिसके चलते नगरपरिषद ने सड़क का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने की बजाए नाले की सफाई व उस पर हुए अतिक्रमण को हटवाना शुरू कर दिया। नालों की सफाई का कार्य मुक्कमल होने के बाद ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो पाएगा।

जीतू वाला जोहड़ क्षेत्र में चार माह से सीवरेज लाइन टूटने की समस्या

जमा रहता है गंदा पानी, बीमारियां फैलने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जीतू वाला जोहड़ के नजदीक स्थित बालाजी कॉलोनी में पिछले करीबन चार माह से सीवरेज की लाईन टूटी होने के चलते यहां पर हमेशा सीवरेज का गंदा पानी निकलता रहता है, जिसके कारण सीवरेज का गंदा पानी जमा होने की समस्या बनी हुई है। सीवर ओवरफ्लो की समस्या इतना भयंकर रूप ले चुकी है कि यहां पर हमेशा दूषित पानी गलियों में जमा हो जाता है, जिसके कारण लोगों का निकलना तक भी मुश्किल हो गया है।

लोगों द्वारा बार-बार विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, जिसके कारण क्षेत्रवासियों में अब खासा रोष नजर आ रहा है। सीवरेज लाईन टूटी होने व ओवरफ्लो की समस्या से परेशान क्षेत्रवासियों ने रविवार को रोष जताया तथा विभाग की लापरवाह कार्यशैली की निंदा की। वार्ड नंबर-18 के पार्षद प्रतिनिधि अनिल कुमार ने बताया कि जीतू वाला जोहड़ के नजदीक स्थित बालाजी कॉलोनी में पिछले करीबन चार माह से सीवरेज लाईन टूटी हुई है, जिसके चलते सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है तथा यहां गलियां सीवरेज के गंदे पानी से लबालब रहती है तथा नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हालात इस कदर बदत्तर हो चले है कि बच्चों को गंदे पानी से गुजरकर ही स्कूलों में जाना पड़ता है। यही नहीं गलियों में गंदा पानी जमा रहने के कारण दुर्गंधमय माहौल रहने के साथ-साथ मच्छरों की भरमार हो गई है, इस कारण इस क्षेत्र में बीमारी फैलने की भी आशंका बनी हुई है। पार्षद प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों को सूचित करवाया गया है, लेकिन अधिकारियों द्वारा उन्हे सिर्फ कोरे आश्वासन मिले है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

■ लोग बोले- बार-बार विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही

■ लोगों का निकलना भी हुआ मुश्किल

भिवानी। बदहाल सीवर व्यवस्था के विरोध में नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्यवर्धक है लस्सी

भारतीय ग्रामीण खान-पान में लस्सी खास अहमियत रखती है। लस्सी में कैल्शियम, विटामिन डी, और लैक्टिक एसिड होता है। यह हड्डियों को मज़बूत करती है, दांतों का स्वास्थ्य बेहतर करती है, और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाती है। लस्सी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं, जो शरीर के तापमान को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि अब ज्यादातर युवा लस्सी के स्थान पर बाजार में बिकने वाली कोल्ड ड्रिंक को महत्व देने लगे हैं, जबकि कोल्ड ड्रिंक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक पेय पदार्थ है।

ग्रामीण जनजीवन पर शहरीकरण हावी

- हरियाणवीं रीति-रिवाजों व खानपान पर पड़ रहा आधुनिकता का असर
- यातायात, इंटरनेट, दूरसंचार और वैश्विकरण ने ग्रामीणों के विचारों और कामकाज को किया है प्रभावित

आधुनिकता

राज कुमार नरवाल

हरियाणा में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। सड़कों की हालत में काफी सुधार हुआ है। जगह-जगह नए-नए राष्ट्रीय राजमार्ग बन गए हैं। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर जाने में अब बहुत ही कम समय लगने लगा है। इंटरनेट व मोबाइल फोन की वजह से हरियाणा के लोग विदेश में बैठे लोगों से भी संपर्क में हैं। पढ़-लिखकर गांवों में रहने वाले परिवारों के बच्चों के विचारों में भी फर्क आया है। वे अब मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने लगे हैं। देश और विदेश में नौकरियां कर रहे हैं।

हरियाणा के गांवों में बसने वाले लोग अब केवल खेती पर ही निर्भर नहीं रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट नौकरियों में काम कर रहे हैं। खुद के उद्योग लगा रहे हैं। अब वैश्विकरण का असर हरियाणा के गांवों पर भी पड़ा है। अब कोई भी देश दूर नहीं लगता। देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ गई है। पहले जहां अपने देश में ही किसी दूसरी जगह पर जाने में कई कई दिन लग जाते थे लेकिन अब कुछ घंटों में ही एक राज्य से दूसरे राज्यों में पहुंच रहे हैं। इस सबका असर गांवों में बसने वाले लोगों पर भी पड़ा है। यहां का खान-पान व रहन-सहन और संस्कृति बदल गए हैं।

यहां पहले वाले रीति-रिवाज भी नहीं रहे। दरअसल, अब गांवों में भी शहरों जैसा ही रहन-सहन और खान-पान हो गया है। विश्वभर में हमारे नौजवान व्यापार व रोजगार के लिए पहुंच रहे हैं। वे विदेशी मेम को शादी करके गांव में ला रहे हैं। लड़कियों की कमी के चलते बहुत से युवाओं की शादी नहीं हो रही। इस कारण यहां के नौजवान बिहार व देश के अन्य राज्यों से बहुएं ला रहे हैं। बाहर से आने वाली इन बहुओं को हरियाणवीं संस्कृति का ज्ञान नहीं है। पढ़ाई के लिए शहरों में जाने वाले युवक-युवतियां अब देसी खान-पान छोड़कर चटपटा खान-पान अपना रहे हैं।

डिब्बाबंद वस्तुओं का प्रचलन बढ़ गया है। हर साल गांवों से कुछ परिवार खेती किसानी और पशुपालन का धंधा छोड़ रहे हैं। पहले गांवों में बसने वाले किसान दूध व घी बेचते नहीं थे। अब गांवों में भी लोगों को घी दूध और लस्सी के लाले पड़ गए हैं। ब्याह शादी व त्योहारों से जुड़े रीति-रिवाज खत्म होते जा रहे हैं। नई परंपराएं शुरू हो रही हैं। पुरानी परंपराएं छूट रही हैं। ब्याह शादी में जो सादा खाना होता था, अब तरह-तरह के पकवान बनने लगे हैं। देसी घी की बजाए अब वनस्पती घी और रिफाइंड का इस्तेमाल ब्याह में पकवान बनाने में होने लगा है।

डीजे की धमक पर थिरक रहे युवा

शादी के समय शहनाई या परंपरागत बाजा बजाया जाता था। अब नई पीढ़ी डीजे की धमक पर थिरक रही है। गांव में बसने वाले लोग आरामपरस्त हो गए हैं। वे भी एसी गाड़ियों में चलते हैं और गांवों में भी अब वातानुकूलित उपकरण पहुंच गए हैं। शहरों की तरह ही अब लोग घरों में ही रहते हैं। गलियों में एक-दूसरे के पास बैठकर अब कम ही बातचीत करते हैं। गर्मियों में तो गांवों की गलियां पूरी तरह सुनसान रहने लगी हैं। किसी जमाने में गांवों की गलियां दिनभर गुलजार रहती थी। शहरों में पढ़ाई करने वाले नौजवान युवक-युवतियों का आचार-विचार शहरों जैसा ही हो गया है। बहुएं भी पढ़-लिखकर नौकरीपेशा हो गई हैं। इस कारण अब गांवों में महिलाएं खेतों में कम और बाहर नौकरी करने के लिए अधिक संख्या में जाती हैं।

अब रात को नहीं रुकते रिश्तेदार

छुट्टियों में बच्चे अपनी माताओं के साथ ननिहाल में जाते थे। लेकिन अब बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ हो गया है कि ट्यूशन आदि के चक्कर में वे ननिहाल नहीं जा पाते। लगभग प्रत्येक व्यक्ति के पास अपना वाहन हो गया है और साफ सुथरे रोड बने हैं। इस वजह से अब लोग अपनी रिश्तेदारी में रुकने की बजाए रात तक अपने घर पहुंचना ही उचित समझते हैं। पहले यातायात साधनों का अभाव था। शाम तक घर लौटना मुमकिन नहीं होता था। अब लोग रिश्तेदारी में नहीं रुकते।

घर द्वार पर पहुंचने लगा सामान

जरूरत का सामान बेचने वाली कंपनियों ने अब गांवों तक भी अपनी पहुंच बना ली है। सबकुछ सामान की ऑनलाइन बिक्री हो रही है। कूरियर कंपनियों में कार्यरत युवा गांवों में भी सामान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण कभी-कभार ही सामान लेने के लिए बाजार जाते थे। अब तकरीबन सामान घर के आगे ही बिक्री के लिए पहुंच रहा है। गाड़ियों में लोग आवाज लगाकर सामान बेच रहे हैं। सब्जियां तक वाहनों में घरद्वार पर बिकने लगी हैं।

शीत-राबड़ी की जगह कोल्ड ड्रिंक

गांवों में दूध, शीत, राबड़ी, दलिया और लाप्सी जैसे खान-पान होते थे। लेकिन अब उनकी जगह कोल्ड ड्रिंक ने ले ली है। बोतलों में विभिन्न कंपनियों के ठंडे पेय पदार्थ अब यहां भी प्रयोग होने लगे हैं। कभी गांव के लोगों को चाय के स्वाद का पता तक नहीं होता था लेकिन अब गांवों के लोग जमकर चाय पीते हैं और कॉफी भी गांवों में पी जाने लगी है।

इसके अतिरिक्त, पहले गांवों में बच्चों के लिए तरह तरह के खेल-तमाशे होते थे। उदाहरण के तौर पर जादू के खेल, बंदर व भालू के खेल और चित्र दिखाने के लिए बारहमन की धोबण आदि अनेक तरह के खेल तमाशे होते थे। अब ये सब खत्म हो गए हैं। बड़ों के लिए सांग, रामलीला और रागनियों के कार्यक्रम होते थे। लेकिन अब वे पुराने कहानी और किस्से सुनने और सुनाने वाले ही नहीं रहे।

कविता

कुमार

परिवार और समाज

परिवार सै पहली पाठशाला,
संस्कारां की में मिले उजाला।
मां-बाप सिखावें चाल सिधी,
सच्चाई अर मेहनत की रीत गहरी।

परिवार बिना जीवन अधूरा,
हर भी सुख भी लागे मजबूरा।
भाई-बहन का प्यार न्यों,
सावन में बरसात की ज्यों।

बूढ़े दादा-दादी का साया,
उनकी सीख में सब पाया।
वो अनुभव का सच्चा ज्ञान,
रखै परिवार की साख महान।

मिल-जुल रहणा परिवार सिखावे,
बड़ों की इज्जत, छोट्यां तै प्यार करावे।
हर रिश्ते में अपनापन होवे,
दिल में सच्चा सम्मान होवे।

समाज सै इंसान की पहचान,
इसी में बसै सारी शान।
मिलकै रहें, मिलकै बढ़ें,
सुख-दुख में संग रहें।

समाज बिना ना कोई अकेला,
हर कोई लागे एक दूजे का चेला।
बड़े-बुजुर्ग का काम समझावणा,
सच्चे न्याय के राह दिखावणा।

शिक्षा, सेवा अर सहयोग,
समाज में रहकै मिलै ये योग।
नेकी करै अर बात सिधी,
समाज बनावै जिंदगी ऊंची।

एकता, प्रेम अर भाईचारा,
समाज का सच्चा उजियारा।
ईमानदारी अर आदर की डोर,
इसी में बसै समाज का जोर।

जो हो परिवार समाज का संग,
तो 'कुमार' जिंदगी स मीठा रंग।
इनके बिना अधूरा जीवन,
इनमें ही सच्चा सुख-दर्शन।

रागनी

सत्यवीर नाहड़िया

हरियाणे की बोली धाकड़...

भास्सा बरगी भोत पुराणी,जाणै दुनिया सारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कोय हरियाणवी कह दे अर कह कोये हरयाणी।
जितनी बोल्ली सैं दुनिया म्हं,उन म्हं आग्गै पाणी।
गीत-रागणी कथा-कहाणी,छप ल्यी इस म्हं भारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

जुगां-जुगां तै इस बोल्ली नै चोक्खी साख बणाई।
बोल्लीबुड लग इस बोल्ली नै,अपणी धाक जमाई।
हिंदी माई की या माई,न्यूँ नान्नी सै म्हारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कितै बाँगरू कितै बागड़ी,रूप खादरी ध्यावै।
कितै मिवाती कितै कौरवी,कितै बिरज रै छावै।
कितै हीरबाट्टी रै पावै,लटक सभी की प्यारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़, जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

साँग निराळे इस म्हं गुँज्जे,आज तलक न्यूँ कड़कै।
भास्सा बणकै रह या बोल्ली,आज नहीं तै तड़कै।
कह 'नाहड़िया' दिल म्हं धड़कै,माँ-बोल्ली लयकारी।
हरियाणे की बोल्ली धाकड़,जग म्हं गुँज्जै न्यारी।।

कविता

डा. विकास यशकीर्ति

विश्व कै नक्शै पै छाया

देवभूमि सै या म्हारी,
सै हरि का आणा जाणा।
विश्व कै नक्शै पै छाया,
सै मेरा प्यारा हरियाणा।।

शान आपणी बोरला सै,
और बावन गज का दामण।
नाक तोड़े सासुआ का,
झूल कै हाम पूरा सामण।
वेद आयुर्वेद म्हारा ही रहा मंतर पुराणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

बांध कै ऊंची सी पगड़ी,
हाथ मैं ले कै नै लाठी।
जूतियां की चरचराहट,
लांबी तगड़ी कद ओ काठी।।
देख कै नै म्हारा टोरा,
कौन लांघेगा सीमाणा।।
विश्व कै नक्शे पे...

मोरनी हिल स्वर्ग जैसी,
बण गई पहचान आपणी।
बन गई कुरुक्षेत्र नगरी,
आन बानो शान आपणी।।
युग युगा सै ही रहा सै,
देवताओं का ठिकाणा।।
विश्व के नक्शे पै सै छाया...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

इतिहास

मराठों ने अपने विश्वासपात्र सैन्य अधिकारी आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी

दो शताब्दी पूर्व भी बनाया गया था हरियाणा राज्य

रोचक

यशपाल गुलिया

यह पढ़कर पाठकों को बड़ा आश्चर्य होगा कि लगभग 230 वर्ष पहले भी एक बार हरियाणा नामक स्वतन्त्र राज्य स्थापित किया गया था, जब दिल्ली बादशाह शाहआलम मराठों के संरक्षण में था तो मराठों ने अपने विश्वास पात्रों को जागीर प्रदान की थी। उसी क्रम में उन्होंने अपने एक सैन्य अधिकारी को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर वर्ष 1794 में दे दी थी। वह अधिकारी मूल रूप से आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस था।

झज्जर मुगल काल से ही एक शासकीय परगना बना रखा था। उस आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस ने झज्जर ग्रहण करते ही कड़ाई से भूमिकर वसूलना आरम्भ कर दिया तथा एक दो-वर्षों में ही अपनी एक सेना गठित कर ली। वर्ष 1795-96 में उसने लगान न देने के कारण बेरी वासियों पर बल का प्रयोग किया। लेकिन बेरी वासियों ने अपनी गढ़ी में इकट्ठे होकर जॉर्ज की सेना के साथ एक दिन का रक्त रंजित युद्ध किया। उसके बाद जॉर्ज ने झज्जर से पांच मील की दूरी पर एक नया किला बनाकर सैन्य शक्ति बढ़ा ली। उस किले का नाम अपने नाम पर जॉर्जगढ़ रखा जहां आजकल जहाजगढ़ गांव बसा हुआ है। फिर जॉर्ज थॉमस एक शक्तिशाली देशी शासक के तुल्य बन गया और अपना क्षेत्र बढ़ाने पर आमादा हो गया। इस प्रकार वह मराठों से भी स्वतन्त्र होने लगा और सैन्य शक्ति के बूते से महम, हांसी, हिसार से भी आगे तक क्षेत्र पर अधिकार कर बैठा। लेकिन झज्जर व बेरी क्षेत्र के निवासियों के उत्पाति तेवर देकर उसने अपना मुख्यालय भी हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। इस प्रकार जॉर्ज थॉमस ने वर्ष 1797 के आस-पास अपना पूर्णतया स्वतन्त्र राज्य घोषित कर दिया। आयरलैंड की तर्ज पर नये राज्य का नाम ग्रीनलैंड अर्थात हरियाणा रख दिया। इसका क्षेत्र दिल्ली सूबे की सीमा से आरम्भ होकर फतेहाबाद तक 800 गांवों का था। हरियाणा राज्य स्थापित करके जॉर्ज थॉमस ने हांसी को नये राज्य की राजधानी बना लिया। जॉर्ज की जीवनी तथा अन्य अंग्रेजों द्वारा लिखी गई पुस्तकों में तत्कालीन हरियाणा का मानचित्र स्पष्ट दिया गया है। इसमें राजधानी हांसी भी लिखा गया है। हांसी मुख्यालय बनाने के बाद जॉर्ज आस-पास के सिख राज्यों जैसे जीन्द, कैथल व पटियाला तक धावे बोलने लग गया। सिख शासकों के साथ जॉर्ज ने कई बार युद्ध भी किए थे तथा अपने नाम से मुद्रा-सिक्के भी चलाए थे। वर्ष 1799 के आस-पास जॉर्ज ने एक बड़ी सेना इकट्ठी कर ली थी जिसके झज्जर के किले जॉर्जगढ़ व हांसी के किलों में पड़ाव लगाए थे।

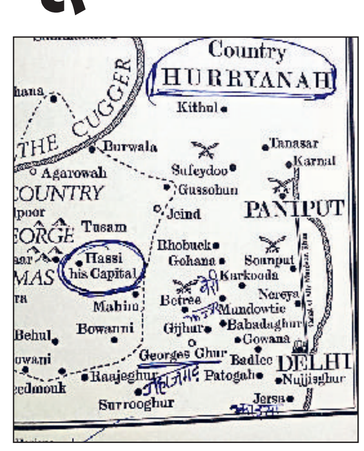

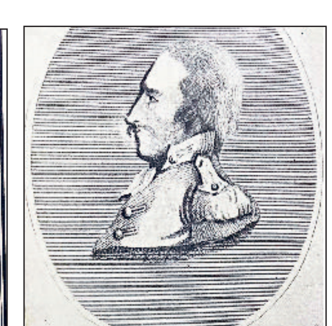

230 साल पहले हरियाणा के राजा जॉर्ज थॉमस तथा उन द्वारा स्थापित हरियाणा का नक्शा। इसमें राजधानी हांसी दिखाई गई है।

स्वयं जॉर्ज ने अपने लिए एक कोठी हिसार में बनवाई थी जो आज तक यथावत है। उस कोठी को जहाज कोठी के नाम से जाना जाता है लेकिन जॉर्ज के इतना शक्तिशाली हो जाने तथा स्वतन्त्र शासक बन जाने पर मराठों को दिल्ली के लिए भी खतरा प्रतीत होने लगा। तब उनके फ्रान्सीसी सेनापति जरनल पैरो ने जॉर्ज पर आक्रमण कर दिया। अक्तूबर 1801 में वर्तमान जहाजगढ़ वाले स्थान पर भीषण युद्ध आरम्भ हो गया।

जॉर्ज थॉमस व उसके तीन यूरोपियन सेनापतियों ने मराठा सेना से महीनेभर तक युद्ध किया। बेरी, मोहम्मदपुर माजरा, पलडा व भारावास की थली क्षेत्र में युद्ध होता रहा। अन्त में जॉर्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। वहां भी मराठा सेना पीछा करती हुई 21 नवम्बर को पहुंच गई। फिर लगभग 15 दिनों तक जॉर्ज ने हांसी में भी युद्ध किया।

अन्ततः दिसम्बर 1801 में हरियाणा के राजा कहलाने वाले जॉर्ज थॉमस ने मराठा सेना के सामने सशर्त समर्पण कर दिया। फिर अपने देश आयरलैंड को जाते हुए मार्ग में ही अगस्त 1802 में ही जॉर्ज का निधन हो गया। आश्चर्यजनक रूप से हरियाणा संस्थापक व उपरोक्त भीषण युद्धों को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। जॉर्ज की भारतीय पत्नी ने उसके साथ आयरलैंड जाने से इनकार कर दिया था। इसलिए अपने बीवी-बच्चों को कुछ धनराशी देकर जॉर्ज बेगम समरु के पास सरधना में छोड़ गया था। वह आयरलैंड के टिपरेरी प्रान्त का मूल निवासी था, जो 1781 में मद्रास पहुंच गया था।

हास्य कला में छिपे हैं समाजोत्थान के संदेश : रेणू दूहन

कलाकार

ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोक कला एवं संस्कृति को जीवंत रखने की दिशा में लेखक, लोक कलाकार, गीतकार अलग-अलग विधाओं में अपनी कलाओं की अलख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगाने में जुटे हुए हैं। ऐसे ही कलाकारों में युवा महिला कलाकार रेणू दूहन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों और संस्कृति के साथ सामयिक घटनाओं पर आधारित लेखन तथा लोक कला के प्रदर्शन से खासकर युवा पीढ़ी को नई दिशा देने का प्रयास करती आ रही हैं। कविता के साथ अभिनय, हास्य-व्यंग्य तथा मिमिक्री से पहचान बनाने वाली कलाकार रेणू दूहन ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें उन्होंने समाज कल्याण और संस्कृति के संवर्धन में कलाकारों की अहम भूमिका निभाने का संदेश दिया है। रेणू दूहन का जन्म 17 अक्टूबर 1995 को हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में रमेश दूहन और वीना दूहन के घर में हुआ। जब वह पांच साल की थी, तो उनका परिवार जींद आकर रहने लगा। उनके घर में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। उनके पिता और भाई व्यापार करते हैं। तीन भाई-बहनो में उसका भी एक लड़के की तरह पालन पोषण किया गया। किसी बात में या कुछ भी करने से पहले उसे कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह एक लड़की है। इन्हें बचपन से ही लोक अभिनय में अभिरुचि रही, लेकिन उनके परिवार वालों को उनका कला के क्षेत्र में भागीदारी करना अच्छा नहीं लगा। बकौल रेणू दूहन बचपन से ही उन्हें मंच का बहुत शौक था। स्कूल में हर शनिवार को होने वाली बाल सभा में उन्हें एंकर बनाया जाता था। उन्होंने कई बार कविता, निबंध लेखन, नाटक, नृत्य आदि में भागीदारी की। जब वह कालेज में पढ़ रही थी तो उनकी कला को देखकर कई शिक्षिकाओं ने उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित करके मदद की। रत्नावली फेस्टिवल में अपने कॉलेज से वही जाती थी। उसने अपने चाचा की मदद से कविता लिखी, जो राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान पर रही। इससे उनका लोक साहित्य के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। इसी से प्रेरित होकर साल 2015 से उसने लिखना शुरू किया। रेणू दूहन हास्य व्यंग्य और कविताएं भी लिखती हैं तो उनके इस हास्य में भी समाज के लिए कुछ न कुछ ऐसे संदेश छिपे होते हैं जो नशे की तरफ जाते आज के युवाओं को जागरूक करके उन्हें सही राह दिखाने का काम करते हैं। उनके लेखन, अभिनय या फिर हास्य व्यंग्य का फोकस समाज को सकारात्मक ऊर्जा देने की दिशा में ही रहा है, ताकि खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति की मूल जड़ों से जुड़ी रहे। थिएटर कार्यशाला के अलावा रेणू यूथ फेस्टिवल में भी हिस्सेदारी करती रही हैं और कॉलेज कार्यशाला में नई प्रतिभाओं को भी लोक कला व संस्कृति के प्रति उन्हें प्रशिक्षण देने का काम किया है। इस आधुनिक युग में लोक कला और संस्कृति के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर उनका कहना है कि यदि हम समाज के लिए अच्छा नहीं कर रहे या लिख रहे हैं तो हमारी लेखनी का कोई फायदा नहीं।

ये मिले पुरस्कार

रेणू दूहन को स्कूल व कालेज की शिक्षा के दौरान ही कविता व चुटकुले आदि लिखने और नुक्कड नाटक करने, रंगमंच के लिए राज्य स्तर पर दो बार चुटकुलों के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनय के क्षेत्र में रत्नावली फेस्टिवल में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया। निबंध प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार और कविता लेखन में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार भी हासिल किए हैं।

ऐसे मिली करियर को मंजिल

हास्य कलाकार रेणू दूहन ने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में वह पहले से ही अभिरुचि रखती थी। उनका पहला यूट्यूब वीडियो बहन-भाई का प्यार रक्षाबंधन को लेकर था, जिसमें उसने बहन का किरदार निभाया। ऐसे वीडियो में वह लगातार बहन की ही भूमिका में अभिनय कर रही हैं। वह कुरुक्षेत्र के रत्नावली, नुक्कड़ नाटक आदि में हिस्सा लेती रही। उन्होंने हरियाणवी फिल्म 'बहू काले की' में बहन का किरदार निभाया है। वहीं, वेबसीरिज डिजिटल ताई के अलावा स्टेज एप पर करीब एक दर्शन स्टैंडअप कॉमेडी शो किए हैं। पांच सालों से वे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में भी अपनी कला के रंग बिखेर रही हैं। स्टेज एप ओटीटी के लिए उनके पहले स्टैंडअप कॉमेडी शो के रिलीज होने के 3-4 दिन में ही उसे लाखों लोगों ने देखा। इससे लोकप्रियता मिली। हास्य कलाकार रेणू दूहन ने साल 2019 में आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में भी अपनी कला का प्रदर्शन करके हरियाणवी संस्कृति की अलख जगाई है। रेणू का कहना है कि हमारा कंटेंट ऐसा होना चाहिए जो पूरा परिवार एक साथ मिलकर देख सके। कई बार आज का युवा लोकप्रिय होने के लिए कुछ भी करने को तैयार है तो कि बहुत गलत है।

खबर संक्षेप

बुजुर्ग बच्चों को संस्कृति से करवाएं रूबरूः कौशिक

भिवानी। संस्कृति हमारी धरोहर है, हमें इसे आगे बढ़ाना चाहिए, ये बात म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने गांव बौंद में बाबा चांदुदास मेले के दौरान आयोजित सांग महोत्सव के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। कौशिक ने कहा कि बुजुर्गों को बच्चों एवं युवाओं को अपनी संस्कृति के प्रति रूबरू करवाना होगा, जिससे वे पाश्चात्य संस्कृति की गिरफ्त में आने से बच सकें। कार्यक्रम के दौरान धर्मवीर नागर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कौशिक ने कहा कि देशवासा में गांव बौंद के राजपूत समाज का विशेष योगदान है। डॉ. सुरेन्द्र कादियान बड़ेसरा, सेवानिवृत इंस्पेक्टर जयप्रकाश शर्मा धारेडू, धर्मवीर नागर, सुनील शर्मा उमरावत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

पाश्चात्य में फंसे युवा संस्कृति से हो रहे दूर

तोशाम। आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में पूरी तरह से अंधी हो चुकी है, जिसके चलते वे अपने मूल संस्कृति से दूर होते जा रहे है तथा उनमें संस्कारों का अभाव भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। संस्कारों के अभाव का सबसे बड़ा उदाहरण युवा पीढ़ी द्वारा अपने माता-पिता की सहमति बगैर शादी करना व लिव इन रिलेशनशिप में रहना, जो कि पतन का मुख्य कारण बन रहा है। ऐसे में अपने माता-पिता की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशन में रहने के दुष्प्रभाव से अवगत करवाने व इसे सामाजिक बुराई मानते हुए इससे दूर रहने के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीमद् भगवद् गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान के तहत रविवार को गांव जैनावास में जागरूकता नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। भगवद् गीता सुखी व शांत जीवन जीने की कला सिखाती है तथा युवा पीढ़ी में संस्कारों का समावेश भी करती है। गोदारा ने कहा कि इन दिनों माता-पिता की सहमति बगैर शादी करना एक ट्रेंड सा हो गया है, क्योंकि बच्चों में वैचारिक भटकाव आया है।

वैश्य महाविद्यालय में फाइनल ईयर कैडेट्स के लिए फेयरवेल पार्टी

एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायकः बुवानीवाला

- फेयरवेल पार्टी रुखसत में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के एन सी सी कैडेट्स ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वैश्य महाविद्यालय भिवानी की एन सी सी इकाई के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के एन सी सी कैडेट्स द्वारा फाइनल ईयर के कैडेट्स के लिए फेयरवेल पार्टी रुखसत का आयोजन किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल के सानिध्य एवं एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. अनिल तंवर ,डॉ. मनीष एवं डॉ रीना के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला ने मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल व स्वपोषित विभाग की डायरेक्टर डॉ प्रोमिला सुहाग ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए। फोटोः हरिभूमि

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। फेयरवेल पार्टी रुखसत में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के एन सी सी कैडेट्स ने हिस्सा लिया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा कैडेट्स में अनुशासन की भावना पैदा करता है। उन्होंने कहा कि वैश्य महाविद्यालय भिवानी की एन सी सी इकाई द्वारा फेयरवेल पार्टी रुखसत का आयोजन गर्व का विषय है विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने अपने संबोधन में कहा एन सी सी के कैडेट्स ये समझे कि छात्र जीवन जीवन का अहम पड़ाव होता है। जो किसी भी छात्र के जीवन में अपने उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए एक मजबूत कड़ी का काम करता है। उन्होने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में विद्यार्थी को अच्छे आदर्शों के बल पर कड़ी मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढना चाहिए। स्वपोषित विभाग की डायरेक्टर डॉ प्रोमिला सुहाग ने कैडेट्स को संदेश देते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक सच्चे सहपाठी की अहम भूमिका होती है।

फेयरवेल पार्टी में बेस्ट सीनियर ब्वॉयज का अवार्ड अंडर ऑफिसर सचिन को,बेस्ट सीनियर गर्ल्स का अवार्ड अंडर ऑफिसर पायल को, बेस्ट ऑल राउंडर ब्वॉयज का अवार्ड कैडेट्स रोहित खन्ना को,बेस्ट ऑल राउंडर गर्ल्स का अवार्ड कैडेट्स अंतिम को प्रदान किया।

फेयरवेल पार्टी में कैडेट जतिन और कैडेट नरेंद्र को मिस्टर फेयरवेल ,कैडेट वंदना को मिस फेयरवेल चुना गया। फेयरवेल पार्टी में मंच का सफल संचालन कैडेट्स साक्षी,काफी व बास्को ने किया। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. अनिल तंवर एवं डॉ रीना ने महाविद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों, प्राचार्य डॉ संजय गोयल, स्वपोषित विभाग की डॉयरेक्टर डॉ प्रोमिला सुहाग एवं सभी कैडेट्स का सफल आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

भिवानी। शिविर का शुभारंभ करते जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज।

हड्डी जांच शिविर में 90 लोगों ने उठाया लाभ

- हड्डियों की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करते जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जामपुर सेवा समिति द्वारा हर माह के अंतिम रविवार को हड्डी जांच शिविर का आयोजन करवाया जाता है। इसी कड़ी में रविवार को कृष्णा कॉलोनी स्थित डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में हड्डी जांच शिविर में 90 मरीजों की जांच की गई। शिविर में मशीन द्वारा हड्डियों की संपूर्ण जांच व फिजियोथैरेपी की गई। शिविर का शुभारंभ जोगीवाला शिव मंदिर के महंत वेदनाथ महाराज ने रिबन काटकर किया। शिविर में कल्याणी अस्पताल गुरुग्राम से डॉ. विक्रांत खन्ना ने अपनी सेवाएं दी। समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली एवं महासचिव विनोद मिर्ग ने कहा कि गलत आहार व खराब जीवन शैली के कारण केवल बुजुर्ग ही नहीं, बल्कि बच्चें एवं युवा भी हड्डी से जुड़ी समस्याओं का शिकार हो सकते है, ऐसे में प्रत्येक जन को अपने आहार पर विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए तथा नियमित तौर पर व्यायाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर नागरिकों को अपनी हड्डियों की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करते है। शिविर लोगों को हड्डी से संबंधित बीमारियों से बचने और समय रहते आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाने के लिए, बहुत महत्वपूर्ण है। जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होते है, इसीलिए जरूरतमंद लोगों को शिविरों का लाभ उठाना चाहिए तथा शरीर को बीमारियों से बचाना चाहिए। हरनाम गाड़ी, सतपाल नरूला, सुरेश कुमार गाड़ी, राजकुमार जावा, सुनील वधवा, प्रेम धमीजा आदि मौजूद रहे।

पीएम महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबी बनने के लिए गंभीरः कलकल

- पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात के 119वें एपिसड देश को सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष डॉ. किरण कलकल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 119वें एपिसड देश को सुना। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने महिला दिवस को लेकर खास चर्चा की। उन्होंने अगले महीने आने वाले महिला दिवस को लेकर एक खास एलान किया है। अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है।

उन्होंने बताया कि सभी विद्याएं देवी के ही विभिन्न स्वरूपों की अभिव्यक्ति हैं। बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। संविधान सभा में हंसा मेहता ने कहा था। इस दौरान संविधान सभा में हंसा मेहता के संबोधन को भी पीएम मोदी ने देश के साथ साझा किया। पीएम मोदी ने इस बार महिला दिवस पर एक ऐसी पहल करेंगे जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। पीएम अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स और इंस्टाग्राम के अकाउंट उनको देश की कुछ प्रेरणास्रोत महिलाओं को एक दिन के लिए सौंपेंगे। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आठ मार्च को अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने आगे कहा कि मंच भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियां और उनकी उपलब्धियों की बात होगी।

भिवानी। पीएम के मन की बात सुनते भाजपा कार्यकर्ता। फोटोः हरिभूमि

लिव इन रिलेशनशिप के बताए दुष्प्रभाव

भिवानी। आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में पूरी तरह से अंधी हो चुकी है, जिसके चलते वे अपने मूल संस्कृति से दूर होते जा रहे है तथा उनमें संस्कारों का अभाव भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। संस्कारों के अभाव का सबसे बड़ा उदाहरण युवा पीढ़ी द्वारा अपने माता-पिता की सहमति बगैर शादी करना व लिव इन रिलेशनशिप में रहना जो पतन का मुख्य कारण बन रहा है, ये बात गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीमद्भगवद् गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान के तहत रविवार को गांव जैनावास में जागरूकता नुक्कड़ सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा ने कही।उन्होंने कहा कि गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान ऐतिहासिक दृष्टि से प्रामाणिक, सहज तथा दिव्य है, क्योंकि ये भगवदगीता यथारूप पर आधारित है। गांवों में इस समय अभियान जरूरी है, क्योंकि श्रीमद्भगवद् गीता सुखी व शांत जीवन जीने की कला सिखाती है।

संत निरंकारी मिशन ने जल सरंक्षण जागरूकता रैली निकाली

- स्वच्छ जल-स्वच्छ मन की ओर एक सार्थक कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से प्रोजैक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नही, बल्कि जल सरंक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों झीलों तालाबों कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता व सरंक्षण को समर्पित इस महाभियान में अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। इसी प्रेरणा के साथ इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया है ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न करे। संत निरंकारी मिशन जोन भिवानी के जोनल इंचार्ज बलदेव राज नागपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 900 से अधिक शहरों में 1600 से अधिक स्थानों में एक साथ चलाया गया। इसी श्रृंखला में बलदेव राज नागपाल, जोनल इंचार्ज भिवानी के सानिध्य में तोशाम कस्बे में जल सरंक्षण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को चौधरी बंसीलाल चौंक से विनोद सांगवान खंड विकास पंचायत अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके आगे स्टेडियम बस स्टैंड के सामने से गुजरते हुए, चौधरी सुरेन्द्र सिंह चौंक पर रैली सम्पन्न हुई।

भिवानी। जल सरंक्षण जागरूकता रैली को रवाना करते हुए। फोटोः हरिभूमि

शिव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पतराम गेट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान रविवार को भंडारा और प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। तीन दिवसीय इस धार्मिक समारोह के दौरान अखंड कीर्तन यज्ञ मंडप में वैदिक मंत्र उच्चारण से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। कार्यक्रम के पहले दिन महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भक्तिमय वातावरण में आगे बढ़ी। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्राण प्रतिष्ठा होने वाले सभी देवी देवताओं के साथ शहर में नगर परिक्रमा निकाली, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान अनेक झांकियां भी शामिल रही। मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के बाद विशाल हवन यज्ञ के साथ वैदिक मंत्र उच्चारण से पंडित पवन कुमार ने धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न करवाया।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

अच्छी पहलः जरूरतमंदों की सेवा में नौ वर्षों से समर्पित खुशियों की दीवार

- खुशियों की दीवार जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

खुशियों की दीवार लगातार नौ वर्षों से जरूरतमंदों की मदद के लिए समर्पित है, यहां से कोई भी जरूरमंद परिवार या व्यक्ति निःशुल्क किताबें व कपड़ों सहित घरेलू समान प्राप्त कर सकता है। संजय रामफल के इस छोटे से प्रयास को लोगों ने साकार कर दिया। यह बात खुशियों की दीवार को वस्त्र, राशन एवं अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान करते हुए संदीप ढांडा और मोनिका ढांडा ने कही।उन्होंने कहा कि यह संस्था 9 वर्षों से जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान बनी हुई है। अब तक लाखों परिवारों को घरेलू सामना और बच्चों को किताबें उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं। इस सामाजिक पहल का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता संजय रामफ़ल द्वारा किया जा रहा है। जिनका उद्देश्य समाज में जरूरतमंदों की सहायता करना और संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करना है। खुशियों की दीवार की सराहना करते हुए संदीप ढांडा और मोनिका ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता संजय रामफल एक अत्यंत सराहनीय और नेक कार्य कर रहे हैं। जिससे समाज के कमजोर वर्ग को बड़ी राहत मिल रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके घर में आवश्यकता से अधिक कोई भी प्रयोग लायक वस्तु है तो जरूरतमंदों तक पहुंचने के लिए खुशियों की दीवार के माध्यम से दान करें। छोटा सा सहयोग किसी के जीवन में बड़ी खुशियां ला सकता है।

भिवानी। खुशियों की दीवार पर वस्त्र व सामान दान करते संदीप ढांडा व मोनिका ढांडा। फोटोः हरिभूमि

भिवानी। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटोः हरिभूमि

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वागत गीत व गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का संचालन मधु और दीक्षा ने प्रभावशाली तरीके से किया। समारोह में मातनहेल खण्ड शिक्षा अधिकारी राजबाला फौगाट मुख्यतिथि के तौर पर उपस्थित रही। शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सफलता से अच्छा जीवन तो जी सकते हैं, लेकिन सफलता ही जीवन नहीं है।

इस अवसर पर उपस्थित रजत फौगाट ने कहा कि स्कूली जीवन का आनंद उठाएं, बच्चों को किताबी नहीं बल्कि संस्कारवान बनाएं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बलराज फौगाट और प्राचार्या नमिता दास ने उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। चौथी, पांचवीं और ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान किए गए। निदेशक बलराज फौगाट ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सामाजिक समरस्ता के प्रतीक संत गाडगे की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वच्छता अभियान के प्रेणता एवं सामाजिक समरस्ता के प्रतीक संत गाडगे की जयंती रविवार को जीतू वाला जोहड़ पर लड्डू वितरण कर मनाई। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संत गाडगे के जीवन आदर्श से अवगत करवाते हुए अजय मंडोरा ने कहा कि संत गाडगे महाराज एक समाज सुधारक, संत एवं कीर्तनकार थे। जिनका जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिला के शेगांव में हुआ था। पूरा नाम देबूजी जिंगराजी जनोरकर था, वे एक धोबी परिवार से थे। उन्होंने कहा कि संत गाडगे महाराज सामाजिक क्रांति के स्तंभ एवं महान समाज सुधारक थे। समाज के उत्थान के लिए अपने को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय लोकसेवा तथा दीन-दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा करना ही था। वे मानव सेवा को ही ईश्वर भक्ति मानते थे। रजक समाज सभा धोबी भिवानी के अध्यक्ष संतलाल मंडोरा में भी समाज को आगे बढ़ाने के बारे में अपना संदेश दिया तथा कोषाध्यक्ष महेश कायत ने भी अपने शब्दों से समाज उत्थान के बारे में चर्चा की। धोबी समाज की धर्मशाला के निर्माण कार्य जल्दी शुरू करवाने के लिए विधायक घनश्याम सर्राफ से अनुदान मांगने के लिए भी बात की।

नशा मित्र बन शरीर में प्रवेश करता और शत्रु बनकर जीवन का करता अंतः ब्रह्माकुमारी

सामाजिक संबंधों का नाश करता है नशाः वसुधा

- मेरा गांव नशामुक्त गांव अभियान के दौरान ग्रामीणों को नशे से दूर रहने का बहनों ने संकल्प दिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नशा सामाजिक संबंधों का नाश करता है, जिससे समाज टूट रहा है। नशा मित्र बनकर शरीर में प्रवेश करता और शत्रु बनकर मनुष्य के जीवन का अंत करता और उसे मार डालता है। किसी मठ, पंथ व धर्म द्वारा नशे को मान्यता नहीं दी गई। वास्तव में हम नशे को नहीं, नशा हमें पी जाता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की झोझूकलां-कादमा शाखा के तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर्व पर नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मेरा गांव नशामुक्त गांव अभियान द्वारा नीमड़-बडेसरा, चांदवास, नांधा गांवों में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी बीके वसुधा ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमें अपने सामाजिक संबंधों को बनाकर रखना है तो स्वचिंतन व परमात्म चिंतन से मन को शक्तिशाली बनाना होगा, ताकि वह छोटी-छोटी बातों में अशांत व दुःखी होकर नशे की तरफ न बढ़े। अभियान संयोजक व झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने लोगों को नशा छोड़ने की शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी नशीले द्रव्य मीठे जहर है, जो शरीर में अल्पकालिक स्फूर्ति प्रदान करते हैं, लेकिन शारीरिक शक्ति को नष्ट कर देते हैं। ब्रह्माकुमारी नीलम ने कहा की राजयोग मेडिटेशन से हम नशे से काफी हद तक जीत सकते हैं। नीमड़-बडेसरा सरपंच विजेंद्र श्योराण व कप्तान नरेंद्रपाल तथा अनिल सरपंच नांधा ने ब्रह्माकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी सकारात्मक सोच सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाएगी। चांदवास से समाजसेवी कुलदीप शास्त्री ने कहा कि आज समाज में बढ़ती नशे की लत चिंता का विषय है, इसे छोड़ने के लिए वास्तव में अध्यात्म व मानवीय मूल्यों की जरूरत है। नाटक व दिव्य गीतों से नशे से होने वाली शारीरिक-मानसिक हानि पर विस्तार से प्रकाश डाला और समझाया कि नशा कुछ समय हमें शांति देता है, लेकिन नुकसान ज्यादा करता है और अनेक बीमारियों को साथ ले आता है। इस मौके पर शिव-शंकर की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। इस मौके पर नांधा से अमित, जागेराम पीटीआई, धर्मवीर, विजय सिंह, नीमड़ से मास्टर राजवीर, महेंद्र, बलबीर, सुरेश, सोमबीर, सुबेसिंह आदि ने लाभ लिया।

भिवानी। मेरा गांव नशामुक्त गांव अभियान के दौरान ग्रामीणों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलवाती बीके बहनें। फोटोः हरिभूमि

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मातृशक्ति उद्यमिता योजनाः डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। जिसके तहत बैंकों के माध्यम से पांच लाख रुपये तक का ऋण दिलवाने की व्यवस्था की गई है। उपायुक्त श्री कौशिक ने बताया कि इस योजना के तहत जिला भिवानी की जो महिलाएं हरियाणा की स्थाई निवासी है और जिनकी वार्षिक आय पांच लाख रुपये से कम है वे महिलाएं इस योजना के पात्र है। ऋण के लिए आवेदक के समय पर महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

खबर संक्षेप

शिविर में 84 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा हिसार के गांव भकलाना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए केन्द्र के सदस्य उल्फत सिंह, रोहताश कुमार ने बताया कि शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनिया की टीम सदस्यों ने 84 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें बदलते मौसम में अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने का संदेश दिया।
उन्होंने बताया कि विश्व मानव रूहानी केन्द्र एक परोपकारी एवं अध्यात्मिक संस्था है जोकि संत बलजीत सिंह के द्वारा सिखाए गए नैतिक जीवन, अध्यात्मिक और ध्यानाभ्यास पर आधारित कार्यक्रमों और जनकल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के समाजसेवी कार्यों का आयोजन करती रहती है।

नई पेयजल लाइन डालने के लिए खुदाई करती जेसीबी मशीन।

पेयजल समस्या के समाधान के लिए बिछाई नई लाइन

चरखी दादरी। वार्ड 11 वाल्मीकि नगर में पेयजल समस्या के चलते नागरिकों द्वारा नई पेयजल लाइन बिछवाने की मांग को लगातार उठाई जा रही थी। बस्ती के अंदर पिछले कुछ वर्षो से बढ़ी जनसंख्या के अनुपात में पेयजल की सप्लाई काफी कम हो रही थी, जिससे नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। क्षेत्र की समस्या को ध्यान में रखते हुए पार्षद विनोद वाल्मीकि लगातार विधायक सुनील सांगवान व जिला प्रशासन से संपर्क कर समस्या के समाधान के लिए काम कर रहे थे। विधायक सांगवान ने नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लिया व नई लाईन बिछवाने के लिए जिला प्रशासन व सरकार के समक्ष बात रखी, जिसके बाद आखिरकार वाल्मीकि नगर में नई पेयजल लाइन को बिछवाने का मार्ग साफ हो गया।

लोग बोले -छोटे चुनाव में हो रहे बड़े धमाके

बवानी खेड़ा चेयरमैन सीट बनी हॉट, मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक कर रहे हैं शिरकत

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

वोटर के लिए चुनाव बना परेशानी

जहां हर कोई कुर्सी के लिए सब कुछ दाव पर लगाए हुए है वहीं मतदाताओं के लिए परेशानी बनी हुई है कि वे अपने समाज के प्रत्याशी को मतदान करें या किसी पार्टी प्रत्याशी के लिए। मतदाताओं का मानना है कि वे जातिविशेष को दरकिनार कर उनके सुख-दुख में सांझे प्रत्याशी को मतदान करके चेयरमैन की कुर्सी पर बिठाएंगे। लेकिन ये वक्त बताएगा कि पार्टी के कद्दावर नेताओं का यहां की जनता पर कितना असर पड़ता है।

19 में से 8 ने वापिस लिया नाम

19 फरवरी को नामांकन पत्र वापिस की तारीख मुकर्रर की वहीं 17 तक 19 चेयरमैन के दावेदारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया व वापसी वाली तारीख को 8 ने नामांकन वापिस ले लिए जिनमें अधिकतर स्पोर्टिंग कैंडिडेट अधिक थे। अब मैदान में 11 चेयरमैन के कैंडिटेड हैं। जिनमें सुंदर शर्मा को भाजपा पार्टी, निर्दलीय प्रत्याशियों में पंकज महता, सतपाल शर्मा, संजय महता, दिलबाग भाकर, मोहित यादव, अजीत वाल्मीकि, महेश कुमार, तरूण राठौर, सतपाल मुंजाल, रमेश कुमार के नाम शामिल हैं।

बवानीखेड़ा नगर पालिका की चेयरमैन की सीट पूरे प्रदेश में हॉट सीट बन गई है। हर किसी की उक्त सीट पर नजर लगी है। चूंकि बवानीखेड़ा नपा के चेयरमैन पद पर भाजपा ने पार्टी निशान पर कंडीडेट उतारा है,जबकि अन्य दलों ने कोई भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। हालांकि अंदर खाते कई पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों की मदद करने में जुट गई है। लेकिन भाजपा के अलावा अन्य कोई भी उम्मीदवार किसी पार्टी के सिम्बल पर चुनाव नहीं लड़ रहा है। ऐसे में भाजपा के लिए सीट निकालना चुनौती से कम नहीं है। अन्य सभी उम्मीदवार उपरी तौर पर बतौर निर्दलीय अपना भाग्य आजमा रहे हैं। भाजपा ने अपने चुनाव चिह्न पर भाजपा वरिष्ठ नेता सुंदर शर्मा को मैदान में उतारा है वहीं कांग्रेस, आम आदमी पार्टी व अन्य दलों ने कोई चिन्ह नहीं दिया, सभी प्रत्याशी निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए मैदान में हैं। भाजपा के लिए ये सीट वर्चस्व का सवाल बन गई है। यदि ये सीट गोते खा जाती है तो पार्टी को झटका लगने वाली बात होगी वहीं निर्दलीय चुनाव जीत जाता है तो बिना शर्त सरकार से मिलकर काम करेगा। लेकिन भाजपा इस सीट को इतनी आसानी से निकलने नहीं देगी।

त्रिभाषा फार्मूला लागू होने से संस्कृत व संस्कृति दोनों होंगी सुरक्षितः शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा देववाणी उपासक संघ के प्रदेश महासचिव शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि प्रदेश में त्रिभाषा फार्मूला लागू होने की अधिसूचना जारी हो गई है, जिसके चलते आगामी सत्र से कक्षा नौ व दस में संस्कृत, पंजाबी और उर्दू में से कोई एक भाषा पढ़ना अनिवार्य होगा।
हरियाणा हिंदी भाषी प्रदेश है जिसमें अधिकांश बच्चे संस्कृत का विकल्प लेना ही पसंद करेंगे, जिससे संस्कृत एवं हमारी संस्कृति दोनों ही और अधिक सुरक्षित होंगी। गौरतलब है संस्कृत भाषा में नैतिक शिक्षा एवं संस्कारों वाली शिक्षा निहित है, जब बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे तो उनमें नैतिक मूल्यों का विकास होगा और वे अपने सामाजिक दायित्वों का अच्छे से निर्वहन कर सकेंगे। हमारे वेद, रामायण, महाभारत व गीता में जो ज्ञान है, उससे परिचित हो सकेंगे। पहले गणित, विज्ञान, चिकित्सा, ज्योतिष आदि सभी विषय संस्कृत में ही थे। त्रिभाषा फार्मूला की बात हरियाणा से चली थी, जिसका केंद्र बिंदु भिवानी रहा और धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंच गई। इसके लिए संस्कृत अध्यापक संघ, गुरुकुल, संस्कृत महाविद्यालय, संस्कृत भारती और संस्कृत से जुड़े अनेक संगठन प्रयासरत थे।

एडिड स्कूलों से आए शिक्षकों को नहीं मिल रही वरिष्ठता

समायोजित अध्यापक सभा ने शिक्षामंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को ज्ञापन सौंपते समायोजित अध्यापक सभा के सदस्य लक्ष्मण गौड़ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश सरकार द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों के एडिड स्टाफ को सरकारी विभाग में वर्ष 2018 में समायोजित किया गया था, जिससे वे सरकार के कर्मचारी बन गए, लेकिन अभी तक एडिड स्कूलों से सरकारी स्कूलों में समायोजित हुए शिक्षकों को सुनिश्चित कैरियर प्रगति (एसीपी), वरिष्ठता एवं पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पाया हैं, जिससे एडिड स्कूलों से आए शिक्षकों में सरकार एवं उच्चाधिकारियों के प्रति निराशा हैं। इसी संदर्भ में समायोजित अध्यापक सभा के सदस्य लक्ष्णम गौड़ के नेतृत्व में समायोजित शिक्षकों ने शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा को बवानीखेड़ा आगमन पर ज्ञापन सौंपा और समाधान की मांग उठाई।
उल्लेखनीय हैं कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2018 में सहायता प्राप्त विद्यालयों के एडिड स्टाफ को सरकारी विभाग में समायोजित किया था, लेकिन उन्हें अब तक पूर्णरुप से सरकारी कर्मचारी का लाभ नहीं मिला हैं। समायोजित अध्यापक सभा के सदस्यों ने शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा को ज्ञापन के माध्यम से बताया कि सरकार द्वारा दस साल में एसीपी का लाभ दिया जाता था, जिसे सरकार ने अब आठ साल में देना सुनिश्चित कर दिया हैं, लेकिन एडिड स्टाफ जो समायोजित किए गए हैं, उन्हें इसका लाभ नहीं मिल रहा हैं, जबकि एडिड स्कूलों में नियुक्ति के दौरान उन्हें ये लाभ सरकार द्वारा दिया जाता हैं।
उन्होंने बताया कि लाभ देने की बजाय एडिड स्कूलों से आए शिक्षकों की 10 हजार से 30 हजार रुपये तक की कटौती की जा रही हैं, जिससे उन्हें मोटा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा हैं। वहीं पूरी नौकरी के दौरान जो छुट्टिया इक्ट्ठी होती हैं, उनका सेवानिवृति के बाद लीव इन कैशमेंट के रुप में लाभ मिलता हैं, एडिड स्टाफ को इसका लाभ भी नहीं मिल रहा। उन्होंने पदोन्नति, वरिष्ठता व पीटीआई पे फिक्स की मांग की।
समायोजित शिक्षकों ने एडिड स्कूलों में लगभग 20 साल तक सेवा की हैं और अब प्रमोशन के लिए उन्हें वरिष्ठता सूची से बाहर कर दिया गया, जबकि वे प्रमोशन के लिए सबसे पहले हकदार थे। अगर उनकी उपरोक्त मांगों को पूरा किया जाता है तो उन्हें सरकारी लाभ एवं सुविधाएं मिलेगी। शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सरकारी सहायता प्राप्त सभी अध्यापक अनुभवी हैं, उनका शिक्षा विभाग एवं बच्चों को शिक्षण कार्य में पूरा लाभ मिल रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी मांग पर विचार करके उन्हें पूरा किया जाएगा। इस दौरान विधायक कपूरसिंह वाल्मीकि सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

ये रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने वालों में शिक्षिका सुनीता श्योराण, अनिल हलवासिया, एसपी जोशी, मनोज शर्मा, संजय मुदगिल, राजकुमार शर्मा, दिनेश कुमार व राहुल पराशर सहित भिवानी के समायोजित सभा के सदस्य शामिल थे।

जेल परिसर में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जेल परिसर में पौधरोपण करते पीएलए की सदस्य सुमन चौधरी व अन्य।

पहला सुख निरोगी काया की कहावत आपने जरूर सुनीं होगी, इसके लिए अच्छा खानपान व आसपास का स्वच्छ पर्यावरण होना जरूरी हैं। पर्यावरण तभी स्वच्छ रहेगा जब हम ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करेंगे। हमारे आसपास जितने ज्यादा पेड़ पौधें होंगे, उतनी ही ज्यादा स्वच्छ हवा सबको मिल सकेगी। ये बात पीएलए की सदस्य सुमन चौधरी ने कही।
रविवार को जिला कारागार प्रशासन व परमानेंट लोक अदालत ने संयुक्त रूप से जिला जेल परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान पीएलए की सदस्य सुमन चौधरी बतौर मुख्यतिथि पहुंची। उन्होंने जेल अधीक्षक देवीदयाल, उप अधीक्षक नरेश बुरा व अनिल शर्मा के साथ मिलकर सैंकड़ों पौधें लगाए। चौधरी ने कहा कि कोरोना काल में पर्यावरण की अहमियत सबको समझ आई, इसको ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा पौधें लगाने चाहिए। हर इंसान अपने आसपास पेड़ पौधें लगाएगा, तभी जाकर हम बीमारियों से बच पाएंगे। चौधरी के उत्कृष्ट कार्य से प्रभावित होकर जेल प्रशासन ने उन्हें प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान प्रदीप बजाड़, हवासिंह जांगड़ा, महेन्द्र सिंह व सोमबीर सहित अनेक एडवोकेट व जेल प्रशासन मौजूद रहा।

रोजगार मेले में 103 लड़कियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। रोजगार मेले में इंटरव्यू देती लड़कियां।

प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं महिलाओं को प्राइवेट सेक्टर में रोजगार दिलाने के उद्देश्य से रविवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने रोजगार मेला लगाया। मेले में 170 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। मेले में शामिल कंपनियों में शिवम ऑटो टेक, भगवान ऑटो, हिंदुस्तान नेशनल ग्लास इंडस्ट्रीज बहादुरगढ़, मिंडा रिका एवं डायनामिक ट्रांसमिशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए 103 लड़कियों का चयन किया। सोमवार को उनकी नियुक्ति कर दी जाएगी। रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनके प्रति समाज में फैली अवधारणाओं को बदलना था। इसी कड़ी में मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन के युवा विंग के प्रधान अधिवक्ता अनिल बलवान साहू ने महिलाओं को प्राइवेट सेक्टर की ओर प्रेरित करने के लिए बाढ़ड़ा और दादरी विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग महिला कमेटियों के गठन की घोषणा की। इन कमेटियों के माध्यम से महिला प्रतिनिधियों को विभिन्न निजी कंपनियों में ले जाकर उनके कार्यकलाप दिखाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं निजी क्षेत्र में नौकरी करने के लिए प्रेरित हो सकें। कार्यक्रम की मुख्यतिथि ब्रह्माकुमारी बहन प्रेमलता ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में झांसी की रानी समूह की संयोजिका प्रियंका प्रजापति को महिला उत्थान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

शिविर में दूसरे दिन कराया योगाभ्यास

लोहारू। सावित्रीबाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन शिविरार्थियों को योगाभ्यास कराया गया और उन्हें योग महत्व बताया। एनएसएस प्रभारी डॉ निशा ने बताया कि योग को नियमित दिनचर्या में शामिल करके शरीर को निरोग एवं सुदृढ़ बनाया जा सकता है। छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान किया और स्वयं को स्वच्छ और स्वस्थ रखने की प्रतिज्ञा की। लोहारू नशा मुक्ति केंद्र के संस्थापक एवं समाजसेवी राकेश आर्य ने अपने व्याख्यान के माध्यम से नशे एवं ड्रग्स से होने वाली अनेक प्रकार की बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशा एक ऐसी भयंकर बीमारी है जो मनुष्य के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, नैतिक एवं पारिवारिक पतन का कारण है, इसलिए हम सबका यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम नशे के प्रति जागरूक रहकर समाज एवं देश को नशा मुक्त बनाने का प्रयास करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप का आगाज

■ खिलाड़ियों की फिटनेस, सहनशक्ति, संतुलन एवं समन्वय को बढ़ाता खेल : बबीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में रविवार से चार दिवसीय 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप का आगाज हुआ। इस मौके पर बतौर मुख्यतिथि महंत मायानंद सरस्वती पहुंची। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के तौर पर नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया, नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्षा सुमन कौशिक, नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की टूर्नामेंट कमेटी के कन्वीनर लक्ष्मण दातीर, चंडीगढ़ नेटबॉल एसो. के अध्यक्ष विकास पहुंचे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय लेते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। हरियाणा नेटबॉल एसो. की महासचिव दहिया ने बताया कि चार दिवसीय चैंपियनशिप 26 फरवरी तक जारी रहेगी। उन्होंने ट्रायल के दौरान लड़कों की टीम के लिए शिव कैथल, दीपांशु जींद, किश्तिज रोहतक, जय सोनीपत, दिव्य भिवानी, मोहित सिसाना, शिवम रोहतक, अंकित सोनी, देव सोनीपत, योगेश कैथल, सौरभ सोनीपत, आयुष रोहतक का चयन किया गया। लडक़ों की टीम के कोच सुमित व मैनेजर सिद्धार्थ रहेंगे।

आदर्श महिला और कुशल गृहिणी थी वेदकौर : डा. फूल

भिवानी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के एडीशनल चीफ सेकेटरी रहे पूर्व आईएएस आरएस दून की माता वेदकौर का 90 वर्ष की आयु में देहांत हो गया था। उनके निधन पर शोक जताने रोजाना विभिन्न संगठनों के लोग पहुंच रहे है। रविवार को वेदकौर के निधन पर गांव ढ़ाणीमाहु में उनके निवास पर निधन जताने पहुंचे समाजसेवी डा. फूल सिंह धनाना ने कहा कि स्व. वेदकौर एक आदर्श महिला और कुशल गृहिणी थी। उन्होंने कहा कि स्व. वेदकौर समाजसेवी एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी, जो कि हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहती थी। वेदकौर के निधन पर शोक जताने वालों में पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, करनल मंगल सिंह, पूर्व शिक्षा अधिकारी मामनचंद शर्मा, प्रधान दिलबाग सांगवान, मा. करतार सिंह, रणबीर सरपंच, डा. अत्तर सिंह अहलावत, गिरी गैस एजेंसी के संचालक मुखत्यार सिंह आदि पहुंचे।

त्रिभाषा सूत्र लागू करने वाला हरियाणा बना प्रथम राज्य, संस्कृत के अच्छे दिन : शास्त्री

तोशाम। संस्कृत भारती तथा अन्य संस्कृत प्रेमी संगठनों के प्रयासों से हरियाणा सरकार ने नौवीं 10वीं में संस्कृत को अनिवार्य रूप से पढ़ने का पत्र जारी कर हरियाणा राज्य संस्कृत को अनिवार्य रूप से लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। इसलिए हरियाणा के मुख्यमंत्री व अन्य सभी संस्कृत प्रेमियों के लिए यह प्रसन्नता का विषय है। जयपाल शास्त्री ने बताया कि संस्कृत भाषा को जन भाषा बनाने के लिए सम्भाषण आन्दोलन का संचालन करने वाली संस्कृतभारती एक विश्व स्तरीय संगठन है। वर्ष 1981 से शुरू हुआ सम्भाषण आन्दोलन अब एक विराट रूप ले चुका है, भारत के सभी राज्यों सहित विश्व के 33 प्रमुख देशों में संस्कृत भारती कार्य कर रही है। सम्भाषण शिविर, प्रबोधन वर्ग, प्रशिक्षण वर्ग, साप्ताहिक मिलन,संस्कृत ग्राम,संवादशाला, बाल केन्द्र इत्यादि असंख्य गतिविधियों के माध्यम से संस्कृतभारती ने एक करोड़ से अधिक लोगों को संस्कृत सम्भाषण में कुशल बनाया है।

दादरी में आवारा पशुओं से बढ़ रही हैं दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। शहर में एक नंदी को पकडते हुए।

आवारा सांडों व अन्य पशुओं की वजह से कोई न कोई हादसा या दुर्घटना होना आम बात हो चली है। अब तो इनका साहत इतना बढ गया है कि ये आवारा लोगो को घरों तक में बेखौफ घुस कर तोड फोड मचा रहे है ऐसे में किसी बडी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है। आखिरकार सरकार, प्रशासन, विधायक, नप चेयरमैन, अधिकारी कर्मी कर क्या रहे है किसी बडे हादसे का इंतजार। यह बात आज झज्जर घाटी व लाधान पाना में करीबन एक घंटे की मशक्कत के बाद आवारा सांड पर काबू करते हुए गौ सेवक रिम्पी फौगाट, उनकी टीम व नागरिकों ने कही। उन्होंने बताया कि लावारिस गौ वंश के कारण लोगो के हाथ पैर टूटना तो आम बात हो गई है। ऐसा वाक्या झज्जर घाटी, लाधन पाना में घरों आज घटित हो गया। आवरा गोवंश द्वारा घर के गेट तोड़ कर पालतू पशुओं को नुकसान पहुंचा और रसोई तक पहुंच गया।

कार्यक्रम पत्रकारों से रूबरू हुए शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा

मोदी ने दुनिया के हर प्राणी के मुंह से भारत माता की जय बुलवाई : शिक्षा मंत्री

■ हरियाणा प्रदेश तरक्की की राह पर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में मंचासीन शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा व अन्य।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि आज प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं कार्यो से काफी खुश है तथा वह निकाय चुनावों में भी भाजपा को जीताकर अपने क्षेत्र का विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जनता यह भली प्रकार से जान चुकी है कि भाजपा आम आदमी की पार्टी है तथा आम आदमी के हित में कार्य यदि किसी ने किए है तो वह सिर्फ भाजपा ही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्येक जन के हित को समान रूप से रखते हुए चौतरफा विकास करवाने का काम किया है। जिसकी बदौलत आज हरियाणा प्रदेश तरक्की की राह पर अग्रसर है। वही पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि हमारे देश का गुलामी ने भटठा बैठा दिया और बचा कुचा कांग्रेस नामक दीमक चाट गई। उन्होंने कहा कि हमने 2047 तक भारत को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बना कर विश्व गुरू बनाने का संकल्प ले चुके है।

जनता के दिल में जगह बना चुकी है भाजपा

भारत कोने में बैठा था और हर देश हमारे नेताओं को बावली बुच बना कर अपने फायदे की नीति थोंप देता था। महिपाल ढांडा ने कहा कि अब 10 सालों से मोदी ने कमाल करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने गोरी व काली चमड़ी वालों समेत दुनिया के हर प्राणी से भारत माता की जय बुलवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश गौड ने की तथा मंच का संचालन जिला महामंत्री हर्षवधन मान ने किया। इस दौरान उनके साथ मीना परमार भी मौजूद रही। इस मौके पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा के प्रति जनता में काफी उत्साह है। भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश गौड ने कहा कि भाजपा की यह बढ़ती लोकप्रियता दर्शाती है कि पार्टी जनता के दिलों में जगह बना चुकी है।